Title: Need to increase support prices of sugarcane.

श्री उत्तमराव ढिकले (नासिक) : महोदय, आज हमारे देश में चीनी का बहुत बड़ा उद्योग है, इसमें काफी लोग चुड़े हुए हैं। परन्तु, चीनी गन्ने से ही पैदा होती है। गन्ने की पैदावार इतनी है कि किसानों को गन्ने का दाम उतना नहीं मिलता है, जितना कि मिलना चाहिए। हमारे महाराष्ट्र में सिर्फ उन्हें ५६० रुपए प्रति टन मिल रहा है। यह दाम बहुत ही कम है। चीनी की कीमतें भी पिछले कई वर्षों से एक ही स्तर पर रही हैं, जबकि हर चीज की कीमत बढ़ी है। इससे किसानों को काफी नुकसान वहन करना पड़ता है। गन्ने के उत्पादन को देखते हुए यदि सही भाव नहीं मिलेंगे, तो किसान गन्ने की खेती करना बन्द कर देंगे। इससे हमें ही नहीं सभी लोगों को इसका भार सहन करना पडेगा और गन्ने की खेती बन्द हो जाएगी। चीनी का उत्पादन और चीनी के उद्योग भी बन्द हो जायेंगे। इससे बहुत सारे लोग बेरोजगार हो जायेंगे।

में केन्द्र सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि इस विषय पर काफी गंभीरता से विचार किया जाए और आवश्यक कार्यवाही की जाए।

&nbs